भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. **1017**

दिनांक 10 फरवरी, 2023 को उत्तर दिये जाने के लिए

चीन के साथ व्यापार घाटा

1017. श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान चीन के साथ व्यापार घाटे का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या चीन के साथ बढ़ता द्विपक्षीय कारोबार चिंता का विषय है; और
(ग) चीन से आयात पर भारत की बढ़ती निर्भरता के क्या कारण हैं?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) : पिछले पांच वर्षों में चीन के साथ भारत के व्यापार घाटे का विवरण इस प्रकार है:

(मूल्य यूएसडी मिलियन में)

वर्ष	**चीन के साथ व्यापार घाटा**
2017-18	63,046.28
2018-19	53,566.84
2019-20	48,646.42
2020-21	44,023.53
2021-22	73,306.17

(स्रोत डीजीसीआईएस)

(ख) और (ग): सरकार का यह प्रयास है कि भागीदार देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाया जाए, लेकिन उनके साथ अधिक संतुलित व्यापार करने पर जोर दिया जाता है। चीन से आयातित अधिकांश सामान पूंजीगत सामान, मध्यवर्ती सामान और कच्चा माल है जिनका उपयोग भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और बिजली जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों की मांग को पूरा करने के लिए किया जाता है। इन श्रेणियों में आयात पर भारत की निर्भरता काफी हद तक घरेलू आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर के कारण है।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए, सरकार ने भारतीय निर्माताओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने, मुख्य सक्षमता/अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने, निर्यात बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को एकीकृत करने के उद्देश्य से 14 रणनीतिक क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं।

****